OFFICE OF THE DIRECTOR PRINCIPAL
SURENDERA DENTAL COLLEGE & RESEARCH INSTITUTE
HH GARDENS SRI GANGANAGAR

No. SDC&RI-24/ 17727-30 Dated: 08-04-2024

OFFICE-ORDER

A complaint has been received from Mr. Ratnesh Kumar (BDS Final year Regular Batch) against Mr. Ashutosh Kumar, Mr. Adarsh Kumar & Mr. Mritunjay Kumar Singh (Interns). An enquiry committee of the following faculty is hereby constituted, which will investigate this matter in depth.

1. Dr. A.P. Dadhich, Chairman
2. Dr. Suruchi Sukhija, Member
3. Dr. Manu Batra, Member
4. Dr. Ankit Bharadwaj, Member

The Committee is directed to submit the report along with the recommendations to the undersigned latest by 09-04-2024. All the records related to this will be maintained by Grievience Committee.

Sd/-
(Dr. Sandeep Kumar)
Director Principal

Copy, for information and necessary action, is forwarded to the following;

1. Board of Management.
2. Concerned Faculty Members
3. Grievience Committee

Surendera Dental College & Research Institute, Sri Ganganagar. (Raj.)

(Dr. Sandeep Kumar)
Director Principal

Digitally signed by SANDEEP KUMAR
Date: 2024.12.21 14:30:33 IST

Enquiry Committee constituted
[signature] 8/4/24

CLASSMATE Date ____ Page ____

सेवा में, 08-04-24
प्राचार्य महोदय
सुरेन्द्र डेन्टल कॉलेज एण्ड अस्पताल, श्रीगंगानगर

विषय :- सीनियर छात्रों के द्वारा मानसिक, आर्थिक एवं व्यवहारिक रूप से प्रताड़ित करने के संबंध में,

महाशय :-

सादर सूचित करना है कि मैं रत्नेश कुमार 'रत्न' जो फाइनल ईयर का विद्यार्थी हूँ।
मुझे सीनियर छात्र Ashutosh Kumar (Intern), Adarsh Kumar (Intern), Mritunjay Kumar Singh (intern) के द्वारा निरन्तर अमाननीय व्यवहार जैसे गाली-गलौज का प्रयोग धमकी एवं अन्य गतिविधियों के द्वारा निरन्तर परेशान करते रहते हैं। मैं कई बार इसकी शिकायत प्राचार्य से (मौखिक रूप) से किया हूँ, लेकिन समझाकर मामला शान्त करा दिया जाता है।
दिनांक - 07-04-24 की रात को मेरी मोटरसाईकिल को एक साजिश के तहत क्षतिग्रस्त कर दिया गया जिसमें मोटरसाईकिल की सारी main wire काटना शामिल है जो कि समीक्षा का विषय है।

मुझे सीनियर छात्रों द्वारा पूर्व में ये धमकी दी गई है कि मैं जब यहाँ से जाऊँगा तब दिखा दूँगा कि मैं कितना खतरनाक हूँ।

अतः श्रीमान से विनम्र निवेदन है कि इसकी जाँच कर जो भी दोषी हैं, उनसे मेरी मोटरसाईकिल में हुई क्षतिपूर्ति करवाई जाए एवं उन्हें कठोर से कठोर दण्ड दी जाए, ताकि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति न हो सके,
साथ ही साथ ये भी सुनिश्चित की जाए कि मेरे साथ इन लोगों द्वारा किसी प्रकार की घटना न हो सके।
इस पुनीत कार्य हेतु मैं श्रीमान का सदा आभारी रहूँगा।

विश्वासभाजक
Ratnesh Kumar Ratan.

Digitally signed by SANDEEP KUMAR
Date: 2024.12.21 14:30:33 IST